दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्व की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 16 सितम्बर 2019 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-01, अंक- 347

महत्वपूर्ण एवं खास

प्रधानमंत्री मोदी ने अभियंता दिवस पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रख्यात अभियंता सर एम विश्वेश्वरैया को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी है। मोदी ने 'अभियंता दिवस' के अवसर पर रविवार को ट्वीट कर कहा, अभियंता कर्मठता और दृढ़ संकल्प के पर्याय हैं। उनके अभिनव उत्साह के बिना मानव प्रगति अधूरी रहेगी। अभियंता दिवस पर सभी परिश्रमी अभियंताओं को शुभकामनाएं। आदर्श अभियंता सर एम विश्वेश्वरैया को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। अभियंता दिवस विश्वेश्वरैया को समर्पित है और उनकी याद में प्रति वर्ष यह दिवस मनाया जाता है।

संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने लें संकल्प : ममता

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार को लोगों से संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। बनर्जी ने ट्वीटर पर लिखा, आज अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस है, एक बार फिर हम उन संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प ले जिनके आधार पर हमारे देश की स्थापना हुई थी। 'सुपर इमरजेंसी' के इस युग में हमें उन सभी अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए जिनकी हमारा संविधान गारंटी देता है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के पालतू कुत्ते की मौत, पशु चिकित्सकों पर एफआईआर

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के आधिकारिक बंगले में रहने वाले एक पालतू कुत्ते हस्की की बीमारी के बाद मौत हो गई। कुत्ते की मौत के बाद पुलिस ने पशु चिकित्सकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बंजारा हिल्स पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है और आरोपों के सही पाए जाने पर डॉक्टरों को 5 साल तक की जेल हो सकती है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने एनिमल केयर क्लिनिक के डॉक्टर लक्ष्मी और डॉक्टर रंजीत पर आईपीसी की धारा 429 और 11 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

अपने इस फैसले पर पूर्व पीएम कैमरन को अब भी अफसोस

लंदन । ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन ने ब्रेग्जिट पर मत विभाजन को लेकर खेद जताया है। कैमरन ने ही बेग्जिट पर रायशुमारी कराई थी जिसमें लोगों ने ब्रिटेन को यूरोपीय यूनियन से अलग करने के पक्ष में मतदान दिया था। ब्रिटेन के यूरोपीय यूनियन से अलग होने की समयसीमा मार्च 2019 तय की गई थी, लेकिन संसद में मत विभाजन के चलते इस प्रक्रिया को अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है।कैमरन ने वह हर एक दिन ब्रेग्जिट जनमत संग्रह के बारे में सोचते हैं और उन्हें इस बात की गहरी चिंता है कि आगे क्या होगा। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे परिणामों को लेकर गहरा खेद है और मैं स्वीकार करता हूं कि मेरा दृष्टिकोण नाकाम रहा। उन्होंने कहा, मैंने जो फैसले लिए उन्होंने ही इन नाकामियों में योगदान दिया। मैं नाकाम रहा। कैमरन ने स्वीकार किया कि ब्रेग्जिट को लेकर जनमत संग्रह के समय से ही गहराए मत विभाजन को लेकर कई लोग उन्हें दोषी मानते हैं। वह उन्हें माफ नहीं करेंगे, लेकिन उन्होंने अपने फैसले का बचाव किया। जल्द ही प्रकाशित होने वाले अपने वृत्तांत के प्रचार के मौके पर यह बात कहीं। ब्रिटेन के यूरोपीय यूनियन में बने रहने के पक्षधर कैमरन ने 2016 में हुए ब्रेग्जिट जनमत संग्रह के बाद इस्तीफा दे दिया था। तब से वह चुनाव राजनीति से दूर हैं और ज्यादातर आम लोगों की नजरों से दूर रहते हैं।

चंद्रयान-2 ऑर्बिटर हमेशा अंधेरे में रहने वाले चांद के हिस्सों का भी भेजेगा तस्वीर : इसरो

नई दिल्ली/ बेंगलुरु(आरएनएस)। चांद पर मौजूद विक्रम लैंडर से अबतक संपर्क नहीं हो पाया है पर भारत के चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर अपने मिशन में जुटा हुआ है। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के दूसरे मून मिशन का यह ऑर्बिटर चांद के हमेशा अंधेरे में रहने वाले यानी उन क्षेत्रों की तस्वीरें भेजेगा, जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पड़ती है। यह पूरी दुनिया के लिए नई जानकारी होगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि एक दशक पहले भेजे गए भारत के पहले चंद्रयान से इसका प्रदर्शन बेहतर हो रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व चेयरमैन एएस किरण कुमार ने कहा, हम चंद्रयान-1 से कहीं ज्यादा बेहतर परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि हम माइक्रोवेव ड्यूल-फ्रिचेंसी सेंसर्स की मदद से चांद के हमेशा अंधेरे में

डूबे रहने वाले इलाके की भी मैपिंग कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि ऑर्बिटर में बड़े स्पेक्ट्रल रेंज के काफी दमदार कैमरे लगे हैं।

क्या-क्या राज खुलेगा?

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन ने बताया है कि ऑर्बिटर पहले ही चांद की कक्षा में स्थापित हो चुका है और वह चांद की विकास यात्रा, सतह की संरचना, खनिज और पानी की उपलब्धता आदि के बारे में हमारी समझ को और बेहतर बनाने में मदद करेगा। यह करीब 7 सालों तक ऑपरेशनल रहेगा और इस दौरान चांद के रहस्यों से पर्दा उठाने में मदद करेगा।

100 किमी दूर से चांद को निहार रहा अपना ऑर्बिटर

आपको बता दें कि 22 जुलाई को लॉन्च किए गए चंद्रयान-2 में लैंडर और रोवर को चांद पर उतरना था जबकि ऑर्बिटर के हिस्से में चांद की परिक्रमा कर जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी थी। 7 सितंबर को लैंडर चांद की सतह को छूने से ठीक पहले करीब 2.1 किमी ऊपर इसरो के रेडार से गायब हो गया और अब तक उससे संपर्क स्थापित नहीं हो सका है। हालांकि ऑर्बिटर इस समय चांद की सतह से करीब 100 किमी के ऊपर से परिक्रमा कर रहा है। इसमें एक हाई-रेज़ॉलूशन कैमरा है जो चांद की सतह पर 0.3 मीटर तक की तस्वीर ले सकता है। किरण कुमार ने कहा कि ऑर्बिटर से चंद्रयान-1 की तुलना में शानदार परिणाम मिल रहे हैं।

लैंडर से लिंक की कोशिशें जारी

लैंडर ने चांद पर हार्ड लैंडिंग की थी और अब भी उससे कनेक्शन स्थापित करने की कोशिशें जारी हैं। आपको बता दें कि लैंडर को चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के लिए डिजाइन किया गया था। इसके भीतर बंद रोवर का जीवनकाल एक चंद्र दिवस यानी धरती के 14 दिन के बराबर है। इसे देखते हुए इसरो के पास एक सप्ताह से भी कम समय बचा है। हालांकि वैज्ञानिक अंतिम समय तक विक्रम से कनेक्ट होने की कोशिश करते रहेंगे।

समय के साथ बढ़ रहीं धड़कनें

इसरो के एक अधिकारी ने कहा, 'आप कल्पना कर सकते हैं कि हर गुजरते घंटे के साथ काम मुश्किल होता जा रहा है। बैटरी में उपलब्ध ऊर्जा खत्म हो रही होगी और इसके ऊर्जा हासिल करने तथा परिचालन के लिए कुछ नहीं बचेगा।' उन्होंने कहा, 'प्रत्येक गुजरते मिनट के साथ स्थिति केवल जटिल होती जा रही है। विक्रम से सपंर्क स्थापित होने की संभावना कम होती जा रही है।'

यह पूछे जाने पर कि क्या संपर्क स्थापित होने की थोड़ी-बहुत संभावना है, अधिकारी ने कहा कि यह काफी दूर की बात है। यहां स्थित इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग ऐंड कमांड नेटवर्क में एक टीम लैंडर से पुनः संपर्क स्थापित करने की लगातार कोशिश कर रही है। अधिकारी ने कहा कि सही दिशा में होने की स्थिति में यह सौर पैनलों के चलते अब भी ऊर्जा उत्पन्न कर सकता है और बैटरियों को फिर चार्ज कर सकता है।

आंध्र प्रदेश: 61 सैलानियों से भरी नाव गोदावरी नदी में पलटी, 11 की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश में गोदावरी नदी में एक नौका के पलट जाने से करीब 11 लोगों की मौत हो गई है। नाव में 61 लोग सवार थे। 30 सदस्यीय एनडीआरएफ की दो टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। 23 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने जिले के सभी उपलब्ध मंत्रियों को घटना स्थल पर बचाव कार्यों की निगरानी करने का आदेश दिया है। साथ ही सीएम ने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

पीएम मोदी ने जताया दुख- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नौका हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

सीएम ने दिए ये निर्देश- मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएम ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौतम सवांग और मुख्य सचिव एल.वी. सुब्रमण्यम को बचाव कार्यों की बारीकी से निगरानी करने और समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को पर्यटकों को बचाने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ से अतिरिक्त बल तैनात करने का निर्देश दिया।

राजनाथ ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

» आतंकवाद नहीं रोका तो कई भागों में बट जाओगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी है। सूरत में एक कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद को रोकना ही होगा, नहीं तो कोई भी उसके टुकड़े होने से नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसकी बातों पर ऐतबार नहीं कर रहा। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के अल्पसंख्यक सुरक्षित थे, सुरक्षित हैं, और सुरक्षित रहेंगे। भारत जाति या धर्म के आधार पर लोगों को विभाजित नहीं करता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 को रद्द करने के भारत के फैसले को पाकिस्तान पचा नहीं पा रहा है। पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में गया और उन्हें गुमराह करने की कोशिश की।

सरहद पर पहरा देते हुए शहीद हुए 122 सैनिकों की याद में रखे गए कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा, अगर पाकिस्तान की तरफ से कोई भी घुसपैठ होती है तो हमारी सेना इसके लिए भी तैयार बैठी है। कोई भी घुसपैठिया भारत से जिंदा वापस नहीं लौटेगा।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने लोगों को सही सलाह दी है कि उन्हें लाइन ऑफ कंट्रोल पार नहीं करनी चाहिए क्योंकि हमारी सेना तैयार है। अगर वो सीमापार कर यहां आते हैं तो वापस नहीं जा पाएंगे। इमरान खान ने मुजफ्फराबाद में शुक्रवार को बोलते हुए कहा था कि पाकिस्तान के लोगों से आग्रह किया था कि वह एलओसी की ओर तबतक मार्च न करें, जबतक वह उनसे नहीं पूछते।

राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर से 370 हटाने के भारत के फैसले को पचा नहीं पा रहा है और वह गुमराह करने के लिए इस मसले को यूएन तक ले गया था। भारत में अल्पसंख्यकों की आबादी आजादी के बाद बढ़ गई है जबकि पाकिस्तान में सिखों, बौद्धों और अन्य लोगों के खिलाफ अधिकारों का उल्लंघन होता रहता है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को विभाजित करने की आवश्यकता नहीं है वह खुद टूट जाएगा। पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन करना बंद कर देना चाहिए, अन्यथा उसे टूटने से कोई नहीं रोक सकता।

इमरान खान ने खुद माना, अगर भारत से युद्ध हुआ तो हार सकता है पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद भारत के साथ चल रही तनातनी के बीच यह स्वीकार किया है कि अगर भारत के साथ परंपरागत युद्ध हुआ तो उनके देश को मुंह की खानी पड़ेगी। खान ने अल जजीरा को दिये साक्षात्कार में कहा कि अगर पाकिस्तान ने भारत के साथ परंपरागत युद्ध लड़ा और वह हारने लगा तब उसके पास दो ही विकल्प होंगे, या तो वह आत्मसमर्पण करे और या फिर आखिरी दम तक आजादी की लड़ाई लड़े। उन्होंने

कहा कि उन्हें मालूम है कि पाकिस्तानी अपनी आजादी की लड़ाई अंतिम सांस तक लड़ेंगे। ऐसे में जब परमाणु शक्ति संपन्न दो देश लड़ेंगे तो इसके अपने नतीजे होंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या कश्मीर में मौजूदा हालात के मद्देनजर दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच किसी बड़े संघर्ष या युद्ध का खतरा है, खान ने कहा, हां, दोनों देशों के बीच युद्ध का खतरा है।

उन्होंने कहा कि अपने पड़ोसी देशों में पाकिस्तान का चीन के साथ इस समय इतना करीबी संबंध है जितना पहले कभी नहीं रहा है लेकिन भारत के साथ यह बिल्कुल निचले स्तर पर पहुंच गया है।खान ने कहा, कश्मीर में 80 लाख मुसलमान पिछले लगभग छह सप्ताह से कैद हैं।

भारत पाकिस्तान पर आतंकवाद फैलाने का आरोप लगा दुनिया का ध्यान इस मुद्दे से भटकाना चाहता है। पाकिस्तान कभी युद्ध की शुरुआत नहीं करेगा, और मैं इसे लेकर बिल्कुल स्पष्ट हूं, मैं अमनपंसद इंसान हूं, मैं युद्ध के खिलाफ हूं, मेरा मानना है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है।

दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको पर ड्रोन हमले का असर

» उत्पादन में की 50 प्रतिशत कटौती

रियाद। सऊदी अरब ने अरामको के दो तेल संयंत्रों पर हुए ड्रोन हमलों के बाद तेल और गैस उत्पादन में 50 प्रतिशत की कटौती की है। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलाजिज बिन सलमान ने बताया कि ड्रोन हमले के कारण कच्चे तेल के उत्पादन में एक दिन में 57 लाख बैरल यानी लगभग 50 प्रतिशत की कटौती हुई है। प्रिंस अब्दुलाजिज ने दिये बयान में कहा कि हमले के कारण अबकैक तथा खुरैस संयंत्रों में अस्थायी तौर पर उत्पादन को स्थगित किया गया है। उन्होंने बताया कि तेल उत्पादन में की गयी कटौती की भरपायी अरामको के तेल भंडारों से की जाएगी।

उधर, अरामको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमीन नासिर ने कहा कि हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यमन के हौती विद्रोहियों ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है और कहा है कि यह ब्रिटेन में हुए बड़े हमलों में से एक है। एक हौती प्रवक्ता ने कहा, हम सऊदी शासन से वादा करते हैं कि भविष्य में हमारे अभियान का विस्तार होगा और जबतक उसकी आक्रमकता और घेराबंदी जारी रहेगी यह और अधिक कष्टदायक होंगे। हमले के लिए 10 ड्रोन तैनात किये गये हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने सऊदी अरब के तेल संयंत्रों पर हुए हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है और कहा है कि इस बात को सबूत नहीं है कि इस हमले को यमन से अंजाम दिया गया है।

विद्रोह का अंत नहीं देख हॉन्गकॉन्ग वासियों में मची विदेशों में बसने की होड़

हॉन्गकॉन्ग। हॉन्गकॉन्ग में गर्मियों के दिनों में शुरू हुआ विद्रोह पतझड़ के मौसम में प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके समझौते का कोई संकेत नहीं मिल रहा है। चीन के इस विशेष प्रशासित क्षेत्र में निकट भविष्य में शांति बहाली की गुंजाइश नहीं देख कई स्थानीय विदेशों में बसने की संभावना तलाशने लगे हैं। यही कारण है कि दूसरे देशों में जाने की अनुमति मांगने वाले आवेदनों में वृद्धि दर्ज की जा रही है।पासपोर्ट से संबंधित कागजी-कार्रवाई में, स्थानीय लोगों, माइग्रेशन एजेंट्स और दुनियाभर के रियल एस्टेट ब्रोकर्स के साथ किए गए इंटरव्यूज में संकेत मिल रहे हैं कि हॉन्गकॉन्ग से इंसानों और पूंजी का पलायन बढ़ने वाला है। हॉन्ग-कॉन्ग में जिन पर मुकदमा चल रहा है, उनका चीन प्रत्यर्पण किए जाने का प्रावधान किया गया तो पूरा हॉन्गकॉन्ग इसके विरोध में उठ खड़ा हुआ।

चीन के खिलाफ विद्रोह पिछले तीन महीनों से थमने का नाम नहीं ले रहा है। उधर, चीन अपनी दमनकारी कार्रवाइयों को लगातार कठोर करता जा रहा है। दमन और निराशा के इसी माहौल में कई हॉन्गकॉन्ग वासी अब पलायन करने पर उतारू हैं। यही वजह है कि वहां इमिग्रेशन सेमिनारों में भीड़ बढ़ने लगी है।

मलयेशिया, ऑस्ट्रेलिया और ताइवान में संबंधित विभाग महसूस कर रहे हैं कि उनके यहां बसने को लेकर पूछताछ बढ़ रही है। वहीं, मेलबॉर्न से लेकर वैंकुवर तक प्रॉपर्टी एजेंट्स के फोन भी लगातार बज रहे हैं। एक निवेशक ने कहा, हॉन्गकॉन्ग में कई तरह की अनिश्चितताएं है। 40-50 वर्ष की उम्र के लोग अपने बच्चों के भविष्य के प्रति चिंतित हैं। उन्होंने कहा, हम विकल्प के तौर पर एक अस्थाई निवास चाहते हैं।

आर्टिकल 370 : समर्थन नहीं मिलने से कभी एक मंच तो कभी दूसरे मंच तक दर-दर भटक रहा है पाकिस्तान

संयुक्त राष्ट्र। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद से ही पाकिस्तान भारत के इस अंदरूनी मसले को अंतरराष्ट्रीय मंचों से उठा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन नहीं मिलने से वह एक मंच से दूसरे मंच तक दर-दर भटक रहा है। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक सत्र के दौरान कश्मीर मुद्दा उठाया, जिस पर भारत ने करारा जवाब देते हुए उसे आतंकवाद का गढ़ करार दिया। भारत ने अपने जवाब में कहा कि इस्लामाबाद ने निराधार और कपट से भरे नैरेटिव को स्थापित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंच का दुरुपयोग किया है।इससे पहले, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र

मानवाधिकार परिषद में भी कश्मीर मुद्दे को उठा भारत को बदनाम करने की नाकाम कोशिश की थी। वहां भारत ने उसे अपने गिरेबान में झाकने की नसीहत दी थी। उससे भी पहले, 16 अगस्त को चीन और पाकिस्तान के अनुरोध पर ह्रस्ट में कश्मीर पर बंद कमरे में चर्चा हुई थी लेकिन वहां इस्लामाबाद को पेइचिंग को छोड़कर किसी भी देश का साथ नहीं मिला था।संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की राजनयिक मलीहा लोधी ने यूएन महासभा के एक सत्र के दौरान कश्मीर मुद्दे को उठाया। उन्होंने आर्टिकल 370 के तहत अस्थायी तौर पर जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को खत्म किए जाने के भारत सरकार के 5 अगस्त के फैसले का भी जिक्र किया। लोधी ने कहा कि भारत का यह ऐक्शन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के तमाम प्रस्तावों का घोर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि ह्रस्ट को भारत पर जम्मू-कश्मीर से कर्फ्यू उठाने, संचार सेवाओं को बहाल करने और हिरासत में लिए गए लोगों को छोड़ने के लिए दबाव डालना चाहिए।अपने जवाब में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के फर्स्ट सेक्रटरी संदीप कुमार बायप्पा ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार की धज्जियां उड़ा दी। उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि (सवाल उठाने वाला) डेलिगेशन उस भौगोलिक जगह का प्रतिनिधित्व करती हैं जिसे दुनियाभर में आतंकवाद के गढ़ के तौर पर जाना जाता है। उसने हमारे क्षेत्र और उससे इतर भी बेगुनाह लोगों की जिंदगियों को खतरे में डाला है।